अमर उजाला

बरेली
बृहस्पतिवार, 5 जून 2025
ज्येष्ठ शुक्ल-दशमी
विक्रम संवत-2082

PAGE NO.- 10 : TOP

जीवन का लक्ष्य तलाशें, मिलेगी सच्ची खुशी : गुरु सुंदर गोपाल

एसआरएमएस में विद्यार्थियों को सफलता के अर्थ समझाए

एसआरएमएस में विद्यार्थियों को संबोधित करते गुरु सुंदर गोपाल। स्रोत : संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में बुधवार को 'सफलता क्या है और क्यों इसे कुछ लोग ही हासिल कर पाते हैं' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें इस्कॉन के आध्यात्मिक गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने बताया कि सफलता का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग होता है। कोई इसे धन-संपत्ति में देखता है, तो कोई बड़े पद में। अगर जीवन में खुशी नहीं है, तो उसे सच्ची सफलता नहीं कहा जा सकता। इसलिए जीवन का लक्ष्य तलाशें, क्योंकि उससे सच्ची खुशी मिलेगी।

इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद के शिष्य और उत्तरी भारत में इस्कॉन के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, पैरामेडिकल, नर्सिंग और लॉ के विद्यार्थियों को सफलता के अर्थ समझाए। उन्होंने कहा कि हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि सफलता है क्या, क्योंकि हर व्यक्ति के लिए इसके मायने अलग हैं। अगर सफलता का एक ही पैमाना होता, तो सभी सफल हो जाते, लेकिन ऐसा नहीं है।

सुंदर गोपाल प्रभु ने हाल की दो घटनाओं का जिक्र किया, जहां एक सफल आईएएस अधिकारी और एक सफल बिजनेसमैन ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने पूछा, क्या उनके पास धन-संपत्ति और रुतबा नहीं था?

सब कुछ था, लेकिन उनके पास खुशी नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पैसा कमाना या करियर में सफल होना ही सफलता नहीं है, खुशी सबसे महत्वपूर्ण है। जीवन का लक्ष्य तलाशने के लिए हमें यह सवाल पूछना चाहिए कि हम क्यों जी रहे हैं? हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है? जब ईश्वर ने अकारण कुछ भी नहीं बनाया, तो हमें क्यों बनाया। इसलिए, स्थायी खुशी की खोजना आवश्यक है।

सुंदर गोपाल प्रभु ने सफलता, खुशी और करियर से संबंधित विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए और उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर इस्कॉन बरेली के जीएम भीमा अर्जुनदास, एसआरएमएस ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा, सीईटी के प्रिंसिपल डॉ. प्रभाकर गुप्ता, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. सत्य देव, विवेक यादव, डॉ. बिंदु गर्ग आदि मौजूद रहे।